Daily Current Affairs

Date : 12 June, 2026

UTKARSH CLASSES CIVIL SERVICES

अनुक्रमणिका

क्र. सं.	टॉपिक का नाम
1.	राज्य सभा निर्वाचन – 2026 (राजस्थान से तीन प्रत्याशी निर्वाचित घोषित)
2.	नीति आयोग की शासी परिषद की 11वीं बैठक (राजस्थान के विशेष संदर्भ में)
3.	जयपुर में 'एडवांस क्वांटम' और 'आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस' प्रयोगशालाएँ
4.	न्यूज़ इन शॉर्ट्स 1. प्रसिद्ध मांड गायिका गवरी देवी का निधन 2. डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी : 'अखिल भारतीय प्रोफेसर विष्णुकांत शास्त्री पुरस्कार' से सम्मानित 3. रामगढ़ में 20 kW के आकाशवाणी FM ट्रांसमीटर का उद्घाटन
5.	सृष्टि किरण
6.	अंडर-17 एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप , 2026
7.	श्रेय पारिख
8.	माजुली द्वीप
9.	"सेनेहजोरी" मिशन
10.	सुष्मिता देव
11.	सर्वोच्च न्यायालय में पाँच नए न्यायाधीश नियुक्त
12.	आर्मेनियाई संसदीय चुनाव
13.	दक्षिण कोरिया की नई प्रधानमंत्री
14.	आर्टेमिस तृतीय मिशन
15.	रुद्र M-II

राजस्थान परिदृश्य

राज्य सभा निर्वाचन – 2026 (राजस्थान से तीन प्रत्याशी निर्वाचित घोषित)

चर्चा में क्यों?

- **11 जून, 2026 को राजस्थान से राज्य सभा निर्वाचन - 2026 के लिए तीन प्रत्याशियों को निर्वाचित घोषित किया गया।**

मुख्य बिन्दु:

- **राज्य सभा निर्वाचन के रिटर्निंग ऑफिसर : भारत भूषण शर्मा।**

नव निर्वाचित सांसद	पार्टी का नाम	कार्यकाल पूर्ण करने वाले सांसद	पार्टी का नाम
सतीश पूनिया	भाजपा	राजेंद्र गहलोत	भाजपा
अलका गुर्जर	भाजपा	रवनीत सिंह	भाजपा
नीरज डांगी	कांग्रेस (पुनः निर्वाचित)	नीरज डांगी	कांग्रेस

राजस्थान से राज्य सभा सदस्य (10 जून, 2026 तक)

क्र.सं.	नाम	पार्टी	कार्यकाल
1.	नीरज डांगी	कांग्रेस	22 जून, 2020 – 21 जून, 2026
2.	राजेन्द्र गहलोत	भाजपा	22 जून, 2020 – 21 जून, 2026
3.	रवनीत सिंह	भाजपा	27 अगस्त, 2024 – 21 जून, 2026
4.	घनश्याम तिवाड़ी	भाजपा	05 जुलाई, 2022 – 04 जुलाई, 2028
5.	रणदीप सिंह सुरजेवाला	कांग्रेस	05 जुलाई, 2022 – 04 जुलाई, 2028
6.	मुकुल बालकृष्ण वासनिक	कांग्रेस	05 जुलाई, 2022 – 04 जुलाई, 2028
7.	प्रमोद कुमार	कांग्रेस	05 जुलाई, 2022 – 04 जुलाई, 2028
8.	चुन्नीलाल गरासिया	भाजपा	04 अप्रैल, 2024 – 03 अप्रैल, 2030
9.	मदन राठौड़	भाजपा	04 अप्रैल, 2024 – 03 अप्रैल, 2030
10.	सोनिया गांधी	कांग्रेस	04 अप्रैल, 2024 – 03 अप्रैल, 2030

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

- **राज्य सभा (Council of States) : राज्य सभा को संसद का उच्च सदन कहा जाता है।**
- **अनुच्छेद - 79 (संसद का गठन) : भारत की संसद राष्ट्रपति और दो सदनों - राज्य सभा (उच्च सदन) और लोक सभा (निम्न सदन) से मिलकर बनेगी।**
- **अनुच्छेद - 80 (राज्य सभा की संरचना) : राज्य सभा के सदस्यों की अधिकतम संख्या 250 निर्धारित है। इनमें से 12 सदस्यों को राष्ट्रपति द्वारा कला, साहित्य, विज्ञान और समाज सेवा के क्षेत्र से नामांकित किया जाता है। शेष 238 सदस्य राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रतिनिधि होते हैं। (वर्तमान में सदस्य संख्या 245 है)।**
- **अनुच्छेद - 83 (सदन की अवधि) : राज्य सभा एक स्थायी सदन है, जो कभी भंग नहीं होता। इसके एक-तिहाई सदस्य हर दो वर्ष में सेवानिवृत्त हो जाते हैं और प्रत्येक सदस्य का कार्यकाल 6 वर्ष का होता है।**
- **अनुच्छेद - 84 (सदस्यता के लिए योग्यता) : राज्य सभा का चुनाव लड़ने के लिए उम्मीदवार का भारत का नागरिक होना और उसकी न्यूनतम आयु 30 वर्ष होना अनिवार्य है।**
- **अनुच्छेद - 89 (सभापति और उपसभापति): भारत के उपराष्ट्रपति राज्य सभा के पदेन (Ex-officio) सभापति होते हैं। इसके अलावा सदन अपने सदस्यों में से एक उपसभापति का चुनाव करता है।**

UTKARSH CIVIL SERVICES

नीति आयोग की शासी परिषद की 11वीं बैठक (राजस्थान के विशेष संदर्भ में)

चर्चा में क्यों?

- **11 जून, 2026 को नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में नीति आयोग की शासी परिषद (Governing Council) की 11वीं बैठक आयोजित की गई।**

मुख्य बिन्दु:

- **नीति आयोग की स्थापना के बाद यह पहला अवसर था, जब सभी 28 राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने ‘शासी परिषद की बैठक’ में हिस्सा लिया।**

मुख्यमंत्री द्वारा प्रस्तुत किए गए मुख्य बिन्दु:

- **‘विकसित राजस्थान@2047’ का रोडमैप प्रस्तुत किया गया।**
- **राज्य सरकार ने निवेश प्रोत्साहन के लिए 35 से अधिक नई नीतियाँ लागू की हैं।**

- ‘राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इनवेस्टमेंट समिट’ के माध्यम से प्रदेश में ₹35 लाख करोड़ के निवेश संबंधी MoUs हस्ताक्षरित हुए, जिनमें से ₹9 लाख करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्तावों की ग्राउंड ब्रेकिंग हो चुकी है।
- राज्य सरकार ने वर्ष 2030 तक राजस्थान को $350 बिलियन की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। वर्तमान में राज्य की GSDP वृद्धि दर 10.24 प्रतिशत है, जो इस लक्ष्य की प्राप्ति की दिशा में सकारात्मक संकेत है।
- ‘माय भारत’ अभियान के अंतर्गत राजस्थान 18 लाख पंजीकृत युवाओं के साथ देश में दूसरे स्थान पर है।
- ‘प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना’ के अंतर्गत 2 करोड़ 19 लाख बीमा पॉलिसियाँ जारी की गई हैं तथा पीएम-कुसुम योजना (कम्पोनेंट-ए) के तहत 723 मेगावाट (MW) क्षमता की 496 सौर ऊर्जा परियोजनाएँ स्थापित की गई हैं। इन दोनों योजनाओं में राजस्थान देश में प्रथम स्थान पर है।
- ‘प्रधानमंत्री पोषण योजना’ के अंतर्गत राजस्थान लगातार दो वर्षों से देश में प्रथम स्थान पर रहा है, जबकि ‘प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना’ में राज्य दूसरे स्थान पर है।
- केन्द्र सरकार द्वारा विकसित ‘प्रगति’ प्लेटफॉर्म की तर्ज पर राज्य सरकार ने ‘राज उन्नति’ प्लेटफॉर्म प्रारंभ किया है। इसके माध्यम से जून, 2026 तक ₹2 लाख करोड़ से अधिक लागत की 42 महत्त्वपूर्ण परियोजनाओं की रियल टाइम मॉनिटरिंग की जा रही है।

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

विकसित राजस्थान@2047 : विज़न डॉक्यूमेंट

- **विमोचन :** केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह द्वारा 13 अक्टूबर, 2025 को विमोचन किया गया।
- **राजस्थान मंत्रिमंडल द्वारा अनुमोदन :** 23 अगस्त, 2025 को किया गया।

- यह विज़न डॉक्यूमेंट भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने की परिकल्पना के अनुरूप है।
- **समावेशी विकास के चार स्तंभ :** राजस्थान सरकार का यह विज़न डॉक्यूमेंट चार प्रमुख थीम और 13 सेक्टर्स पर आधारित है।

क्रम	प्रमुख थीम	आयाम
1.	जनकल्याण और सामाजिक सशक्तीकरण	कृषि-खाद्य प्रणाली, स्वास्थ्य, शिक्षा, सामाजिक समावेशन।
2.	त्वरित विकास, समृद्धि और रोजगार सृजन	औद्योगिक, खनन, पर्यटन क्षेत्रों में नई संभावनाओं का विकास।
3.	भविष्य उन्मुख राजस्थान	आधारभूत अवसंरचना, जल सुरक्षा, पर्यावरणीय स्थायित्व, जलवायु अनुकूलता।
4.	संवर्धक नीति, वित्त और शासन	ग्रामीण व शहरी विकास, प्रभावी शासन, डिजिटल सेवाएँ, वित्तीय प्रबंधन का मजबूतीकरण।

विज़न डॉक्यूमेंट के लक्ष्य:

- **आर्थिक विकास :** राजस्थान को वर्ष 2030 तक $350 बिलियन और वर्ष 2047 तक $4.3 ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था बनाना। निर्यात को वर्तमान के पाँच गुना तक बढ़ाना।
- **कृषि उत्पादकता :** वर्ष 2047 तक कृषि क्षेत्र में जलवायु अनुकूल और तकनीक आधारित खेती के माध्यम से उत्पादकता में 40 प्रतिशत तक वृद्धि करना।
- **स्वास्थ्य :** सार्वभौमिक स्वास्थ्य पहुँच, मातृ मृत्यु दर को 15 तक लाना, शिशु मृत्यु दर को प्रति 1000 जीवित जन्मों पर 10 से कम करना और जीवन प्रत्याशा को 77 वर्ष तक पहुँचाना।

- **शैक्षणिक विकास :** शिक्षा एवं ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था के विकास के लिए कौशल आधारित शिक्षा प्रणाली लागू करने, कम्प्यूटर युक्त स्मार्ट विद्यालयों की स्थापना तथा वर्ष 2047 तक शत-प्रतिशत स्कूली नामांकन का लक्ष्य।
- **महिला सशक्तीकरण :** महिलाओं की कार्यबल भागीदारी 60 प्रतिशत से अधिक करना।
- **ऊर्जा :** ऊर्जा क्षेत्र में राज्य को आत्मनिर्भर बनाने के लिए नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन को 33 गीगावाट से बढ़ाकर 290 गीगावाट करना।

क्रियान्वयन :

- इस विज़न डॉक्यूमेंट को राजस्थान इंस्टीट्यूट फॉर ट्रांसफॉर्मेशन एंड इनोवेशन (RITI) द्वारा नीति आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप तैयार किया गया है।
- **राज्य स्तरीय स्टीयरिंग कमेटी :** मुख्य सचिव की अध्यक्षता में।
- 45 विभागों को 13 सेक्टरों में विभाजित करते हुए नोडल विभाग नामित किए गए हैं तथा विभागीय स्तर पर परियोजना प्रबंधन इकाइयाँ (PMU) स्थापित की गई हैं।

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

जयपुर में 'एडवांस क्वांटम' और 'आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस' प्रयोगशालाएँ

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने 'मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (MNIT), जयपुर' में उन्नत क्वांटम कंप्यूटिंग और क्वांटम संचार प्रयोगशाला स्थापित किए जाने की घोषणा की।

मुख्य बिन्दु:

- साथ ही, 'आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस लैब (AIL)' की स्थापना किए जाने की भी घोषणा की गई।
- ये प्रयोगशालाएँ इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की 'इलेक्ट्रॉनिकी और ICT अकादमिक परियोजना' के तहत स्थापित की जाएँगी।
- **उन्नत क्वांटम प्रयोगशाला :** MeitY द्वारा स्थापित यह प्रयोगशाला क्वांटम कुंजी वितरण (QKD), क्वांटम कंप्यूटिंग सिमुलेशन और क्वांटम सेंसिंग हार्डवेयर घटकों में भारत की स्वदेशी क्षमताओं को मजबूत करने पर केंद्रित होंगी।
- इस परियोजना के अंतर्गत संचालित प्रोजेक्ट देश के लिए अत्यंत महत्त्वपूर्ण होंगे। यह प्रयोगशाला क्वांटम की डिस्ट्रीब्यूशन के क्षेत्र में भी अनुसंधान करेगी, जो राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण है।
- **आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस लैब :** इस लैब की स्थापना भी MeitY द्वारा MNIT जयपुर में की जाएगी, जिसका प्राथमिक उद्देश्य उन्नत कंप्यूटिंग अवसंरचना और अनुसंधान उपकरण प्रदान करके शोध और नवाचार को बढ़ावा देना है। इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए इसे 'IndiaAI मिशन' नेटवर्क से एकीकृत किया जाएगा।

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु:

- **मेकर्स लैब :** केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव द्वारा 'मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (MNIT), जयपुर' में उद्घाटन। यह लैब विद्यार्थियों को सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर दोनों तकनीकों में प्रायोगिक और व्यावहारिक प्रशिक्षण के अवसर प्रदान करेगी।

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

नेशनल क्वांटम मिशन (NQM):

- **स्वीकृति :** केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा 19 अप्रैल, 2023 को।
- यह मिशन प्रधानमंत्री विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार सलाहकार परिषद (PM-STIAC) के तहत नौ प्रमुख मिशनों में से एक है।

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

- **मुख्य उद्देश्य :** भारत को क्वांटम प्रौद्योगिकी (QT) के अनुसंधान, विकास और औद्योगिक अनुप्रयोगों में वैश्विक अग्रणी देश बनाना।
- **बजट :** ₹6,003.65 करोड़।
- **अवधि :** वित्तीय वर्ष 2023-24 से 2030-31 तक।
- **कार्यान्वयन एजेंसी :** विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (DST)।
- **4 थीमैटिक हब (T-Hubs) :** इस मिशन के तहत प्रमुख अकादमिक और अनुसंधान संस्थानों में 'हब-स्पोक-स्पाइक मॉडल' के तहत 4 थीमैटिक हब (T-Hubs) स्थापित किए गए हैं। जो निम्न प्रकार है:-
- **क्वांटम कंप्यूटिंग :** भारतीय विज्ञान संस्थान (IISc), बेंगलुरु।
- **क्वांटम संचार :** भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT), मद्रास।
- **क्वांटम सेंसिंग और मेट्रोलॉजी :** भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT), बॉम्बे।
- **क्वांटम सामग्री और उपकरण :** भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT), दिल्ली।

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

न्यूज़ इन शॉर्ट्स

क्र. सं.	न्यूज़
1.	**प्रसिद्ध मांड गायिका गवरी देवी का निधन** ■ राजस्थान की समृद्ध लोक संस्कृति और 'मांड' गायकी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने वाली लोक गायिका गवरी देवी का पाली में निधन हो गया। ■ उनका जन्म बाड़मेर जिले के कोरण गांव में हुआ था। ■ **गवरी देवी के प्रसिद्ध मांड गीत :** केसरिया बालम पधारो, ढोला थारे देश में, मोर बोले रे मलजी आदि।
2.	**डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी : 'अखिल भारतीय प्रोफेसर विष्णुकांत शास्त्री पुरस्कार' से सम्मानित** ■ हाल ही में, राजस्थान कैडर के IAS अधिकारी और साहित्यकार डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी को उनके प्रसिद्ध यात्रा-वृत्तांत 'ओकुहेपा' के लिए 'अखिल भारतीय प्रोफेसर विष्णुकांत शास्त्री पुरस्कार' से सम्मानित किए जाने की घोषणा की गई। ■ **प्रदानकर्ता :** मध्य प्रदेश संस्कृति परिषद के अंतर्गत संचालित साहित्य अकादमी द्वारा। ■ डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी मूल रूप से हनुमानगढ़ जिले के धन्नासर गाँव के निवासी है। ■ **नोट :** डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी की कृति 'भरखमा' को राजस्थानी भाषा का साहित्य अकादमी पुरस्कार – 2025 मिल चुका है।
3.	**रामगढ़ में 20 kW के आकाशवाणी FM ट्रांसमीटर का उद्घाटन** ■ हाल ही में, केन्द्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आकाशवाणी जयपुर परिसर से जैसलमेर के रामगढ़ में 20 किलोवाट (kW) के आकाशवाणी FM ट्रांसमीटर का उद्घाटन किया। ■ इस नए ट्रांसमीटर के जुड़ने से राजस्थान में FM ट्रांसमीटरों की संख्या 39 हो गई है। ■ रामगढ़ ट्रांसमीटर सीमावर्ती क्षेत्र में 80 किलोमीटर के दायरे में रेडियो कवरेज सुनिश्चित करेगा।

राष्ट्रीय परिदृश्य

सृष्टि किरण

[स्रोत: AIR]

चर्चा में क्यों?

- बेंगलुरु की सृष्टि किरण ने अंडर-13 टेनिस खिलाड़ियों में विश्व की नंबर 1 खिलाड़ी का स्थान हासिल कर लिया है।

मुख्य बिन्दु:

- सृष्टि ने लगातार पाँच ITF जूनियर खिताब जीतकर और ITF वर्ल्ड टेनिस टूर जूनियर्स J-100 ग्वाटेमाला में उपविजेता रहकर यह स्थान हासिल किया।
- 13 वर्षीय सृष्टि किरण ने ITF जूनियर रैंकिंग में करियर की सर्वश्रेष्ठ 357वीं रैंक प्राप्त की है जो विश्व स्तर पर अंडर-13 खिलाड़ियों में सर्वोच्च रैंकिंग है।
- उन्होंने यह उपलब्धि केवल आठ रैंकिंग प्रतियोगिताओं में भाग लेकर हासिल की है, जो रैंकिंग के लिए निर्धारित अधिकतम 10 टूर्नामेंटों से दो कम हैं।

अंडर-17 एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप , 2026

[स्रोत: AIR]

चर्चा में क्यों?

- वियतनाम के दा नांग में आयोजित अंडर-17 एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप, 2026 में भारतीय महिला पहलवानों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 2 स्वर्ण, 3 रजत और 5 कांस्य पदकों सहित कुल 10 पदक जीतें।

मुख्य बिन्दु:

स्वर्ण पदक	रजत पदक	कांस्य पदक
43 किलोग्राम वर्ग में दीक्षा	49 किलोग्राम वर्ग में निकिता	40 किलोग्राम वर्ग में पलक
73 किलोग्राम वर्ग में गरिमा	65 किलोग्राम वर्ग में अंतरा	46 किलोग्राम वर्ग में अनामिका
	69 किलोग्राम वर्ग में तानिया	53 किलोग्राम वर्ग में अक्षरा
		57 किलोग्राम वर्ग में साक्षी
		61 किलोग्राम वर्ग में मान्या

- अंडर-23 एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में भारत की पुरुष फ्रीस्टाइल टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सर्वश्रेष्ठ टीम का खिताब जीता। फ्रीस्टाइल में भारत ने किर्गिस्तान और कजाकिस्तान की टीमों को हराकर शीर्ष स्थान हासिल किया।

श्रेय पारिख

[स्रोत: AIR]

मुख्य बिन्दु:

- कैलिफ़ोर्निया के 14 वर्षीय भारतीय मूल के अमरीकी छात्र श्रेय पारिख ने प्रतिष्ठित स्क्रिप्स राष्ट्रीय स्पेलिंग बी प्रतियोगिता जीत ली है। उन्होंने 90 सेकंड में 35 में से 32 शब्दों की सही स्पेलिंग बताकर यह खिताब अपने नाम किया।
- स्पेलिंग बी प्रतियोगिता पहली बार वर्ष 1925 में आयोजित की गई थी। बालू नटराजन वर्ष 1985 में इस प्रतियोगिता को जीतने वाले पहले भारतीय मूल के छात्र बने थे।

भूगोल एवं भू-विज्ञान

माजुली द्वीप

[स्रोत: PIB]

चर्चा में क्यों?

- विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के एक स्वायत्त संस्थान, लखनऊ स्थित बीरबल साहनी इंस्टीट्यूट ऑफ पैलियोसाइंसेज के वैज्ञानिकों के एक नए अध्ययन ने असम के माजुली द्वीप के लगभग 4,000 वर्षों के जलवायु और वनस्पति इतिहास को पुनर्परिभाषित किया है।

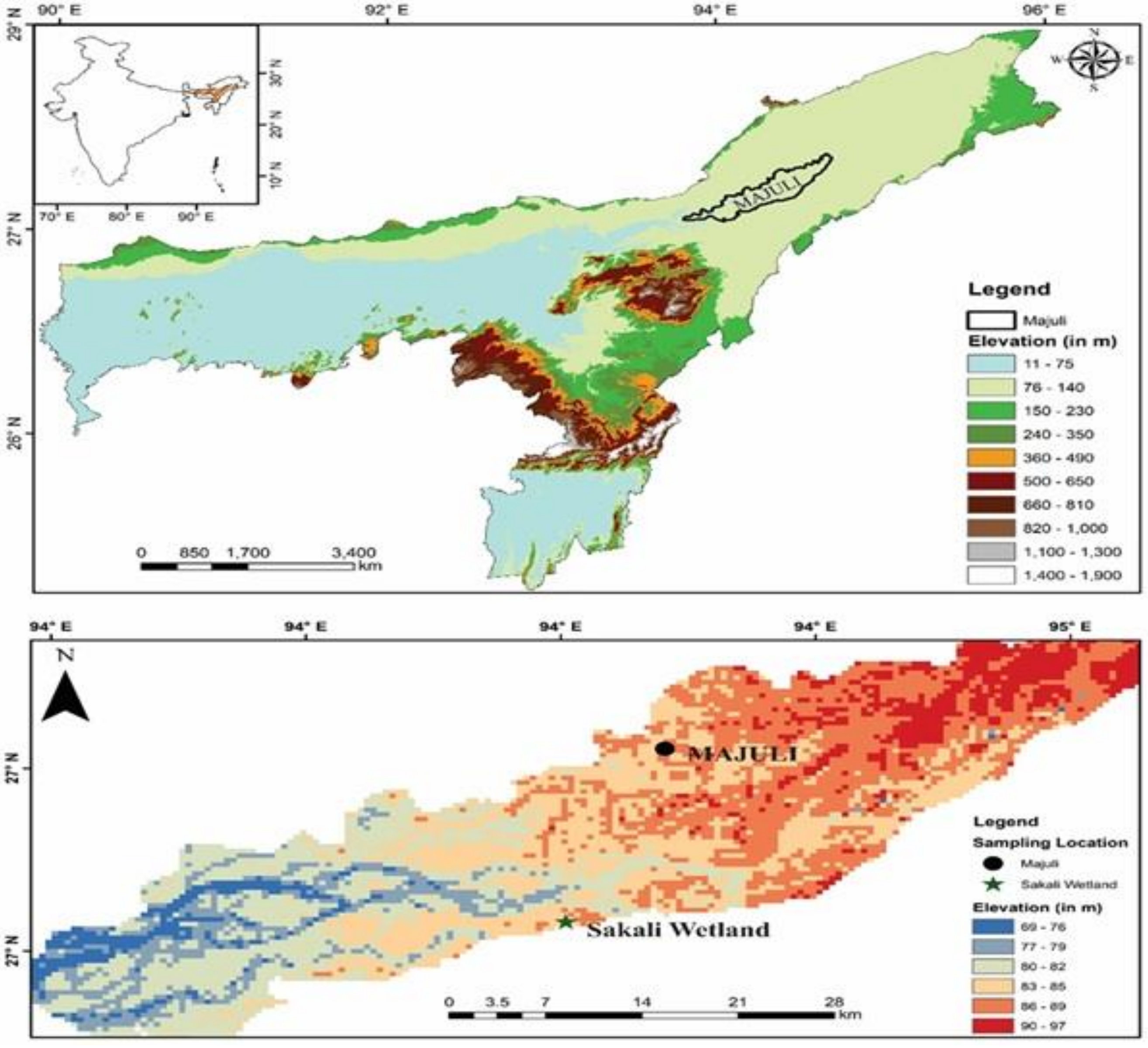

मुख्य बिन्दु:

- **अध्ययन दल:** आर्य पांडे और डॉ. स्वाति त्रिपाठी, के नेतृत्व में किए गए इस अध्ययन में डॉ. साधन कुमार बसुमतारी, डॉ. सलमान खान, डॉ. हेमा सिंह, डॉ. बिस्वजीत ठाकुर और डॉ. अनुपम शर्मा का सहयोग लिया गया।
- **प्रकाशित:** पैलियोबोटनी और पैलिनोलॉजी की समीक्षा (एल्सवियर) में प्रकाशित।
- अध्ययन में माजुली की सकाली आर्द्रभूमि से 150 सेमी गहरा तलछट लिया गया।
- इसमें परागकण और कण आकार विश्लेषण के माध्यम से 4,000 वर्षों का जलवायु एवं वनस्पति इतिहास पुनर्निर्मित किया गया।

प्रमुख निष्कर्ष

- आधुनिक परागकण सादृश्यों और परागकण आधारित मात्रात्मक पुरा-जलवायु पुनर्निर्माण पद्धति के समर्थन से किए गए इस अनुसंधान में 4040 से 500 कैलिब्रेटेड वर्ष बीपी के दौरान औसत वार्षिक तापमान और औसत वार्षिक वर्षा का अनुमान लगाया गया है, जिसे सह-अस्तित्व दृष्टिकोण कहा जाता है। इसके नतीजे एक प्रारंभिक गर्म और आर्द्र चरण (4040-2260 कैलिब्रेटेड वर्ष बीपी) को दर्शाते हैं, जिसमें घने वन आवरण थे और जो 4.2 हजार वर्ष के दौरान शुष्क जलवायु की स्थिति में सशक्तता का संकेत देते हैं।
- मानसून की तीव्रता और बाढ़ की तीव्रता में उतार-चढ़ाव वाले चरण आए, जिसमें 1100-500 कैलिब्रेटेड वर्ष बीपी के दौरान अपेक्षाकृत आर्द्र अवधि भी शामिल है, जो मध्यकालीन जलवायु विसंगति के अनुरूप है।
- पिछले लगभग 500 वर्षों में तापमान और वर्षा में गिरावट देखी गई है, जो लघु हिमयुग के अनुरूप है, साथ ही मानवजनित प्रभाव में वृद्धि और बिखरी हुई वनस्पति के विस्तार को भी दर्शाती है।

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु:

माजुली द्वीप:

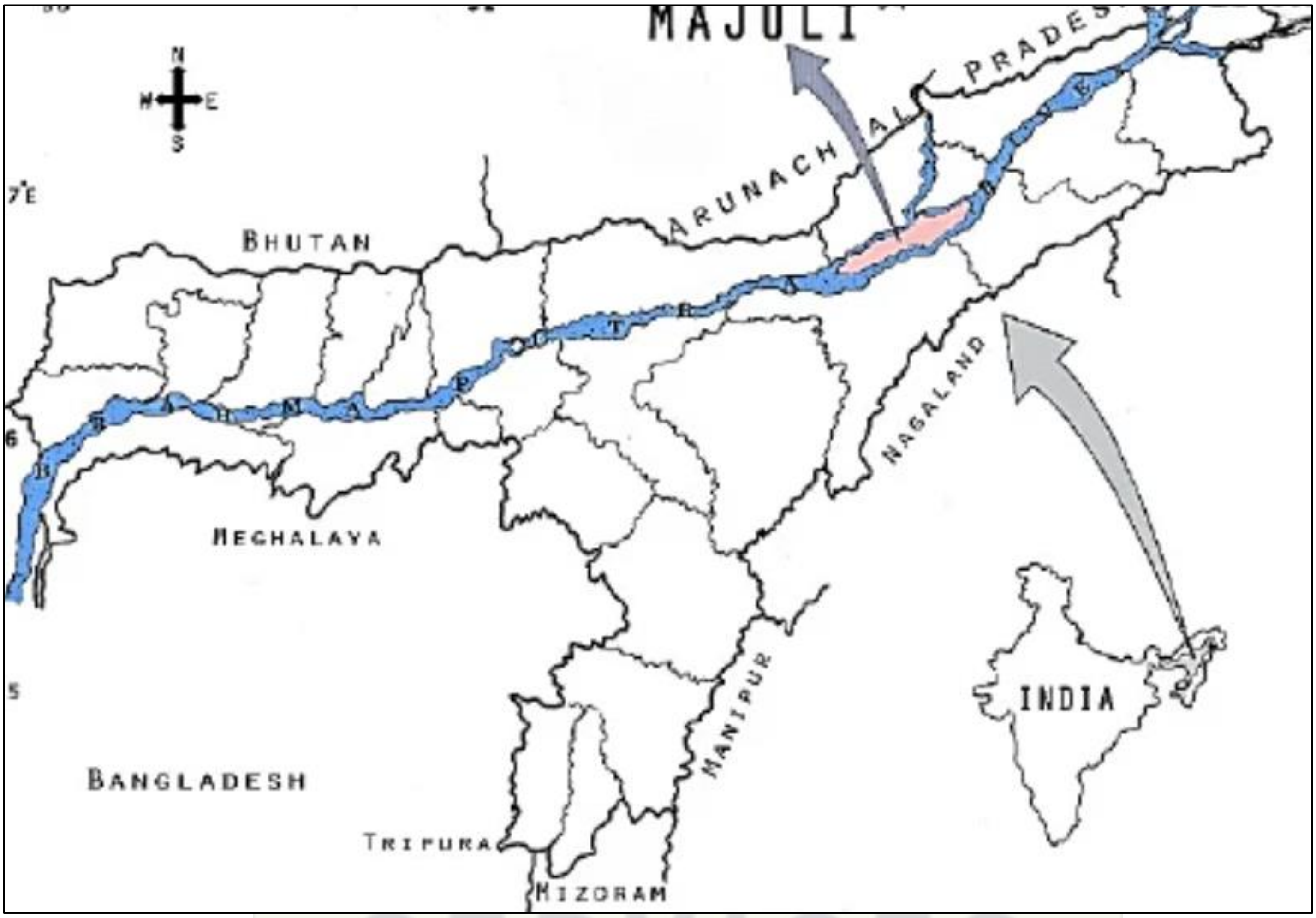

- यह दुनिया का सबसे बड़ा आबादी नदी द्वीप है।
- यह कई जनजातियों की बस्ती और नव-वैष्णव संस्कृति यानी सुधारवादी वैष्णववाद के एक प्रमुख केंद्र के तौर पर सांस्कृतिक रूप से महत्त्वपूर्ण होने के साथ-साथ एक बदलाव का प्रतीक भी है।
- दक्षिण और पूर्व में ब्रह्मपुत्र नदी, पश्चिम में सुबनसिरी नदी और उत्तर में ब्रह्मपुत्र की एक शाखा के बीच स्थित माजुली द्वीप, बार-बार आने वाली बाढ़ और नदी के किनारों के तीव्र कटाव से प्रभावित हुआ है।

आर्थिक घटनाक्रम

"सेनेहजोरी" मिशन

[स्रोत: PIB]

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ने असम के मुख्यमंत्री के साथ मिलकर मिशन "सेनेहजोरी" – असम-मूंगा सिल्क USP का शुभारंभ किया।

मुख्य बिन्दु:

- **परिचय:** मिशन "सेनेहजोरी" असम के मूंगा रेशम क्षेत्र के लिए एक क्लस्टर-आधारित पहल है, जो एक प्रीमियम, पता लगाने योग्य और निर्यात-उन्मुख मूंगा रेशम अर्थव्यवस्था का निर्माण करके इस मूल्य अंतर को पाटने का प्रयास करता है।

- **शुरुआत:** 2 जून, 2026
- **संचालन:** पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय द्वारा असम सरकार, केंद्रीय रेशम बोर्ड, वस्त्र मंत्रालय और अन्य केंद्रीय मंत्रालयों/संगठनों के समन्वय से संचालित किया जाएगा।
- **मूल्य श्रृंखला:** यह मिशन, मेजबान पौधे की खेती और रेशमकीट के बीज उत्पादन से लेकर रीलिंग, बुनाई, ब्रांडिंग, निर्यात संवर्धन, डिजिटल ट्रेसबिलिटी और पर्यटन तक संपूर्ण मूंगा रेशम मूल्य श्रृंखला को मजबूत करने का प्रयास करता है।
- **पहल का उद्देश्य:** मेजबान पौधे की पारिस्थितिकी को मजबूत करना, आधुनिक रीलिंग अवसंरचना स्थापित करना, किसान उत्पादक संगठनों (FPO) को बढ़ावा देना, साझा सुविधा केंद्र (CFC) बनाना, जीआई प्रमाणीकरण को लागू करना और "सेनेहजोरी" की एकीकृत ब्रांड पहचान के तहत वैश्विक बाजार तक पहुंच बनाना।
- **क्लस्टर-आधारित दृष्टिकोण:** इस मिशन में जोरहाट, शिवसागर, लखीमपुर, धेमाजी, डिब्रूगढ़, तिनसुकिया, माजुली और सुआलकुची सहित प्रमुख मूंगा रेशम उत्पादक जिलों को शामिल किया गया हैं।
- **अवधि और परिव्यय:** तीन वर्षों की अवधि में (MDONER के 136–151 करोड़ रुपये सहित) लगभग 396–411 करोड़ रुपये का अनुमानित निवेश किया जाएगा।
- **वर्ष 2028 तक लक्ष्य:**
    1. पाँच आधुनिक मूंगा रीलिंग इकाइयों और एक मूंगा स्पन मिल की स्थापना करना।
    2. 30 किसान उत्पादक संगठन (FPO) और 1,180 से अधिक किसान हित समूहों का निर्माण करना।
    3. 5,000 हेक्टेयर में सोम और सोआलू प्रजाति के पौधों का पुनर्जनन, जीआई-लिंक्ड सिस्टम के माध्यम से व्यापार किए गए।
    4. 80 प्रतिशत से अधिक मूंगा रेशम का प्रमाणीकरण करना।

5. 8,000 से अधिक परिवारों के लिए डिजिटल ट्रेसबिलिटी तंत्र का निर्माण करना।
6. मूंगा रेशम के निर्यात को प्रति वर्ष 2,000 किलोग्राम से अधिक तक विस्तारित करना।

- **रेशम पर्यटन:** असम की रेशम विरासत और सांस्कृतिक अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए मूंगा सिल्क ट्रेल, सिल्क टूरिज्म पार्क और वार्षिक मूंगा उत्सव का विकास।

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु:

- मूंगा रेशम को दुनिया का एकमात्र प्राकृतिक रूप से सुनहरा रेशम और भारत का पहला जीआई-टैग प्राप्त रेशम माना जाता है। यह असम में लगभग 2.6 लाख रेशम पालकों और बुनकरों के परिवारों को आजीविका प्रदान करता है।
- असमए विश्व के मूंगा रेशम उत्पादन का 90 प्रतिशत हिस्सा रखता है।

UTKARSH CIVIL SERVICES

भारतीय शासन एवं राजव्यवस्था

सुष्मिता देव

[स्रोत: AIR]

मुख्य बिन्दु:

- तृणमूल कांग्रेस (TMC) की सांसद सुष्मिता देव ने राज्यसभा से इस्तीफा दे दिया है।
- इससे पूर्व, तृणमूल के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सदस्य सुखेन्दु शेखर राय ने राज्यसभा और पार्टी दोनों से इस्तीफा दे दिया था।

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

सर्वोच्च न्यायालय में पाँच नए न्यायाधीश नियुक्त

[स्रोत: PIB]

चर्चा में क्यों?

- संविधान के अनुच्छेद-124 के खंड (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने चार मुख्य न्यायाधीशों व एक वरिष्ठ अधिवक्ता को सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया।

मुख्य बिन्दु:

- **नियुक्त पाँच नए न्यायाधीश:**

शील नागू	मुख्य न्यायाधीश, पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय
चंद्रशेखर	मुख्य न्यायाधीश, बॉम्बे उच्च न्यायालय
संजीव सचदेवा	मुख्य न्यायाधीश, मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय
अरुण पल्ली	मुख्य न्यायाधीश, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख उच्च न्यायालय
श्रीमती वेंकिता सुब्रमणि मोहना	वरिष्ठ अधिवक्ता

पृष्ठभूमि:

- **5 मई, 2026 को प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने संसद में सर्वोच्च न्यायालय (न्यायाधीशों की संख्या) संशोधन विधेयक, 2026 को पेश करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।**
- **सर्वोच्च न्यायालय (न्यायाधीशों की संख्या) संशोधन विधेयक, 2026 में सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की संख्या में 4 की वृद्धि अर्थात् 33 से बढ़ाकर 37 (भारत के मुख्य न्यायाधीश को छोड़कर) करने का प्रावधान था।**

सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों की नियुक्ति (राष्ट्रपति द्वारा):

- **मुख्य न्यायाधीश: मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालयों के ऐसे न्यायाधीशों से परामर्श करने के बाद की जाती है जिन्हें वह आवश्यक समझते हैं।**
- **अन्य न्यायाधीश: अन्य न्यायाधीशों की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा मुख्य न्यायाधीश और सर्वोच्च न्यायालय तथा उच्च न्यायालयों के ऐसे अन्य न्यायाधीशों से परामर्श करने के बाद की जाती है जिन्हें वे आवश्यक समझते हैं।**
- **कॉलेजियम प्रणाली: कॉलेजियम प्रणाली की शुरुआत 'तृतीय न्यायाधीश मामले' (वर्ष 1998) के माध्यम से हुई थी। इसका उपयोग उच्च न्यायालयों और सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की नियुक्तियों एवं स्थानांतरण के लिये किया जाता है।**
- **भारत के मूल संविधान में या संशोधनों में कॉलेजियम का कोई उल्लेख नहीं है।**
- **कॉलेजियम प्रणाली का नेतृत्व: सर्वोच्च न्यायालय के कॉलेजियम का नेतृत्व CJI (भारत के मुख्य न्यायाधीश) करते हैं और इसमें न्यायालय के चार अन्य वरिष्ठतम न्यायाधीश शामिल होते हैं।**

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

- उच्च न्यायालय के कॉलेजियम का नेतृत्व उसके मुख्य न्यायाधीश और उस न्यायालय के चार अन्य वरिष्ठतम न्यायाधीश करते हैं।
- **न्यायाधीशों की योग्यताएँ:**

1. उसे भारत का नागरिक होना चाहिये।
2. उसे कम-से-कम पाँच वर्षों के लिये किसी उच्च न्यायालय (या उत्तरोतर एक से अधिक न्यायालय) का न्यायाधीश होना चाहिये, या
3. उसे दस वर्षों के लिये उच्च न्यायालय (या उत्तरोतर एक से अधिक उच्च न्यायालय) का अधिवक्ता होना चाहिये, या
4. उसे राष्ट्रपति के मत में एक प्रतिष्ठित न्यायवादी होना चाहिये।

UTKARSH CIVIL SERVICES

अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य

आर्मेनियाई संसदीय चुनाव

[स्रोत: AIR]

चर्चा में क्यों?

- आर्मेनियाई संसदीय चुनावों में प्रधानमंत्री निकोल पाशिन्यान की सत्तारूढ़ 'सिविल कॉन्ट्रैक्ट पार्टी' ने जीत दर्ज की।

मुख्य बिन्दु:

- **चुनाव परिणाम:** प्रधानमंत्री निकोल पाशिन्यान की पार्टी को 49.8% वोट मिले। स्ट्रॉन्ग आर्मेनिया अलायंस 23.2% वोटों के साथ दूसरे स्थान पर रहा, जबकि आर्मेनिया अलायंस 9.9% वोटों के साथ तीसरे स्थान पर रहा।

आर्मेनिया:

- **सीमावर्ती देश:** उत्तर में जॉर्जिया, पूर्व में अज़रबैजान, दक्षिण-पूर्व में ईरान और पश्चिम में तुर्की।
- **महत्त्वपूर्ण नदियाँ:** अरास, हरज़दान, अर्पा और वोरोटन।
- **प्रमुख झील:** लेक सेवन आर्मेनिया की सबसे बड़ी झील है।
- **प्राकृतिक संसाधन:** स्वर्ण, तांबा, मोलिब्डेनम, जस्ता, बॉक्साइट के लघु भंडार।

दक्षिण कोरिया की नई प्रधानमंत्री

[स्रोत: AIR]

मुख्य बिन्दु:

- दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जय मियुंग ने वर्तमान लघु तथा मध्यम उद्यम मंत्री हान सियोंग सूक को देश के अगले प्रधानमंत्री पद के लिए नामित किया है।
- नेशनल असेम्बली से मंजूरी मिलने के बाद हान प्रशासन के अंतर्गत पहली महिला प्रधानमंत्री बनेंगी।
- इससे पहले हान मियोंग सूक वर्ष 2006 से 2007 तक प्रधानमंत्री के पद पर कार्य कर चुकी हैं।

विज्ञान प्रौद्योगिकी

आर्टेमिस तृतीय मिशन

[स्रोत: AIR और NASA]

चर्चा में क्यों?

- नासा ने वर्ष 2027 के अंत में होने वाले अपने अगले आर्टेमिस तृतीय मिशन के लिए तीन अमरीकी अंतरिक्ष यात्रियों और एक इतालवी अंतरिक्ष यात्री के नाम घोषित किए।

मुख्य बिन्दु:

आंद्रे डगलस	अमरीकी अंतरिक्ष यात्री	मिशन विशेषज्ञ
फ्रैंक रुबियो	अमरीकी अंतरिक्ष यात्री	मिशन विशेषज्ञ
रैंडी ब्रेसनिक	अमरीकी अंतरिक्ष यात्री	कमांडर
लुका परमिटानो (यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी)	इतालवी अंतरिक्ष यात्री	पायलट
बॉब हाइन्स	अमरीकी अंतरिक्ष यात्री	बैकअप चालक दल का सदस्य

- आर्टेमिस III, वर्ष 1972 में अपोलो 17 के बाद चंद्रमा पर उतरने वाला पहला मानवयुक्त मिशन होगा।
- यह यान चालक दल को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र में उतारेगा।

- इस मिशन के दौरान, SLS (स्पेस लॉन्च सिस्टम) रॉकेट फ्लोरिडा में नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर से ओरियन अंतरिक्ष यान में सवार चार चालक दल के सदस्यों को लॉन्च किया करेगा।
- यह मिशन एलन मस्क की स्पेसएक्स और जेफ बेजोस की ब्लू ओरिजिन के चंद्रयानों का पहली बार अंतरिक्ष में परीक्षण करेगा, जिसमें एक-एक करके नाजुक डॉकिंग का प्रदर्शन किया जाएगा।

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु:

आर्टेमिस समझौता:

- आर्टेमिस समझौते की स्थापना अमेरिका द्वारा वर्ष 2020 में सात संस्थापक सदस्यों- ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, इटली, जापान, लक्ज़मबर्ग, यूएई और यूके के साथ की गई थी।
- यह उन गैर-बाध्यकारी बहुपक्षीय सिद्धांतों का समूह है जो शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए बाहरी अंतरिक्ष और खगोलीय पिंडों के नागरिक अन्वेषण और उपयोग को नियंत्रित करते हैं।

रुद्र M-II

[स्रोत: PIB]

चर्चा में क्यों?

- रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) और भारतीय वायु सेना (IAF) ने स्वदेशी रुद्र एम-II वायु-से-सतह मिसाइल का हवाई प्लेटफॉर्म से सफल उड़ान परीक्षण किया।

मुख्य बिन्दु:

- **परीक्षण:** वायुसेना के सुखोई-30 MKI (Su-30MKI) लड़ाकू विमान से परीक्षण किया गया।
- **रुद्रम-II का विकास:** रुद्रम-II को स्वदेशी रूप से हैदराबाद स्थित इमारत अनुसंधान केंद्र द्वारा विकसित किया गया है, जो DRDO की नोडल प्रयोगशाला है।
- **सहयोग:** इसमें रक्षा अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला, उच्च ऊर्जा सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला, शस्त्र अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान और ITR जैसी अन्य सहयोगी प्रयोगशालाओं के सहयोग से यह कार्य किया है।

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु:

रुद्र M:

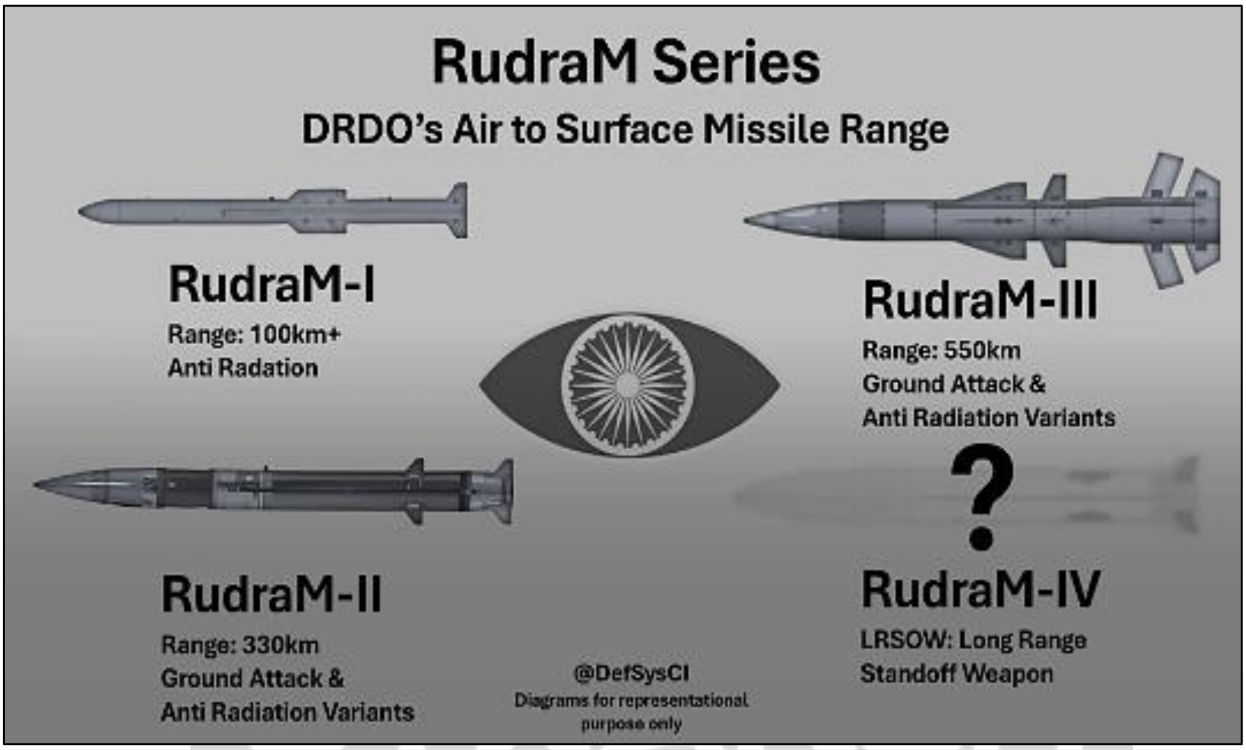

- **परिचय:** रुद्र M, वायु-से-सतह पर मार करने वाली स्वदेशी एंटी-रेडिएशन मिसाइलों की एक श्रृंखला है, जिसे भारतीय वायुसेना की 'सप्रेशन ऑफ एनिमी एयर डिफेंस' (SEAD) की क्षमता को बढ़ाने की आवश्यकता को पूरा करने के लिये विकसित किया गया है।
- **संस्करण:** रुद्र M मिसाइल के तीन संस्करण; रुद्र M-I, रुद्र M-II और रुद्र M-III विकसित किये गए हैं, जिनमें से पहले तथा दूसरे संस्करणों का व्यापक परीक्षण पहले ही किया जा चुका है।

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213